रेल मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : जी नहीं।

भोपाल और बीना के बीच रेलगाड़ी के डिब्बे में विस्फोट

*216. श्री नाथूराम अहिरवार : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 15 फरवरी 1976 को भोपाल और बीना के बीच एक यात्री गाड़ी के डिब्बे में विस्फोट हुआ था ;

(ख) क्या इस विस्फोट के परिणामस्वरूप डिब्बे में आग लग गई और एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने का भी समाचार है ; और

(ग) जी हां, तो इस बारे में रेल प्रशासन ने अब तक क्या कार्यवाही की है ?

रेल मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) :

(क) जब 355 डाउन इटारसी झांसी सवारी गाड़ी सुमेर और गुलाबगंज स्टेशनों के बीच जा रही थी, तो पटाखे फटने की एक घटना हुई। ये पटाखे एक बारात द्वारा सवारी डिब्बे में ले जाये जा रहे थे।

(ख) इससे आग नहीं लगी। यह पटाखों का अचानक फटना था। खतरे की जंजीर खींचने पर ज्योंही गाड़ी रुकी, एक बूढ़ा व्यक्ति डर के मारे कूद पड़ा। उसके तुरन्त बाद और लोग भी कूदे और उसके ऊपर गिरे। नतीजा यह हुआ कि उस बूढ़े व्यक्ति को गंभीर आन्तरिक चोटें आयीं और बाद में उसकी मृत्यु हो गयी।

(ग) पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

Production of Crude and Gas during Fifth Plan

*219. SHRI Y. ESWARA REDDY: SHRI BHOGENDRA JHA:

Will the Minister of PETROLTUM be pleased to state:

(a) whether the Oil and Natural Gas Commission has evolved a plan to step up its crude and gas production during the Fifth Five Year Plan; and

(b) if so, the main features thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) Yes, Sir.

(b) O.N.G.C. is intensifying its on-land exploration work in Assam Gujarat, Punjab basin, Ganga Valley, West Bengal and Tripura, etc. It is proposed to commence production from Bombay High oil fields from April or May this year. The production of crude oil is expetcted to increase to 10.85 million tonnes in 1978-79 against an actual production of 4.03 million tonnes in 1973-74. Gas supplies will increase to 1993 million cubic metres against 386 million cubic metres in 1973-74. It is planned to establish additional recoverable reserves of 70 to 100 million tonnes of oil during the Fifth Plan period.

Setting up of Drug Manufacturing Units

*220. SHRI N. K. SANGHI: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state

(a) whether more licences are to be issued for setting up drug manufacturing units in the country;

(b) whether the existing manufacturing units are able to produce to their available capacity; and

(c) if not, what steps are being taken to achieve this target?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. C. SETHI): (a) to (c) In order to achieve

the targets fixed by the Task Force for the production of drugs and formulations by the end of the 5th Plan Period, it is proposed to expand production facilities in the public sector, licence larger capacities in the organised sector and encourage greater production in the small scale sector of the drug industry. The Government extends appropriate facilities within the fromework of its policy to enable the units concerned to achieve their licensed capacity.

मध्य प्रदेश के पिछड़े और जनजाति क्षेत्रों में नई रेलवे लाइनें

1077. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मध्य प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के विकास को ध्यान में रखते हुए राज्य के उन पिछड़े और जनजाति क्षेत्रों में आगामी योजना में नई रेलवे लाइन का निर्माण करने का प्रस्ताव है जिनका रेल से बिल्कुल सम्पर्क नहीं है ;

(ख) क्या इंदौर, दोहद, खंडवा और खरगोन में, जिनके बारे में राज्य के उद्योग मंत्री ने मध्य प्रदेश विधान सभा में फरवरी, 1976 में उल्लेख किया था, रेलवे लाइन निर्माण करने के बारे में सर्वेक्षण करने का कोई प्रस्ताव है; और

(ग) क्या भविष्य में नई रेलवे लाइनों के निर्माण की योजना बनाते समय पिछड़े और जनजाति क्षेत्रों के हितों को ध्यान में रखा जायेगा ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) से (ग) : देश के पिछड़े क्षेत्रों में नयी लाइनों के निर्माण के सम्बन्ध में, रेल मंत्रालय की स्वीकृत नीति के अनुसार आर्थिक/सम्य रूप से मध्य प्रदेश राज्य के पिछड़े हुए जनजाति क्षेत्रों के अन्तर्गत निम्नलिखित नयी रेलवे लाइनों के निर्माण से सम्बन्धित प्रस्ताव तैयार किये जा रहे हैं उन पर विचार किया जा रहा है :-

क्रम सं०	लाइन का नाम	वर्तमान स्थिति
1.	गुना मकसी बड़ी लाइन (193 कि० मी० लागत 10.51 करोड़ रुपये)	यह लाइन बन रही है और अप्रेल 1976 तक इसके बनकर तैयार हो जाने की आशा है।
2	इटली राजहरा-जगदलपुर बड़ी लाइन (234 कि० मी० लागत 46 करोड़ रुपये)	अन्तिम मार्ग-निर्धारण सर्वेक्षण पूरे कर लिए गये है और तत्सम्बन्धी रिपोर्टों की जाच की जा रही है।
3.	हिरदागढ़-दमुआ बड़ी लाईन (113 कि० मी० लागत 2.25 करोड़ रुपये)	इस निर्माण-कार्य का अनुमोदन हो चुका है और 1975-76 के बजट में इसे शामिल कर लिया गया है।
4.	महोबा-खजूराहो बड़ी लाइन (75 कि० मी०)	सर्वेक्षण किया जा रहा है।
5.	राची-कोर्बा बड़ी लाइन (300 कि० मी०)	सर्वेक्षण किया जा रहा है।
6.	रतलाम-बामवाडा बड़ी लाइन (90 कि० मी०)	सर्वेक्षण किया जा रहा है।